पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली: कार्तिक 05, 1944
बृहस्पतिवार: 27 अक्तूबर 2022

रक्षा मंत्री 1947 के युद्ध में जीत सुनिश्चित करने वाले भारतीय सेना के एयर लैंडेड ऑपरेशन के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में श्रीनगर में 'शौर्य दिवस' समारोह में शामिल हुए

देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए वीर योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की

"अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू एवं कश्मीर शांति और समृद्धि के एक नए युग में प्रवेश कर गया है"

हमारा उद्देश्य पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को अनाधिकृत कब्जे से वापस लेने के लिए 1994 के संसद प्रस्ताव को कार्यान्वित करना है: श्री राजनाथ सिंह

लोगों से एकता और समर्पण के साथ देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आग्रह किया

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह 1947 में बडगाम हवाई अड्डे पर स्वतंत्र भारत की पहली असैन्य-सैन्य जीत सुनिश्चित करने वाले भारतीय सेना के एयर लैंडेड ऑपरेशन के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में 27 अक्तूबर 2022 को जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित 'शौर्य दिवस' समारोह में शामिल हुए। महाराजा हरि सिंह और भारत गणराज्य के बीच 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन' पर हस्ताक्षर किए जाने के एक दिन बाद जम्मू एवं कश्मीर से पाकिस्तानी बलों को खदेड़ने के लिए 27 अक्तूबर 1947 को बडगाम हवाई अड्डे पर भारतीय वायु सेना द्वारा भारतीय थल सेना को शामिल किया गया था। इसलिए 27 अक्तूबर को 'इन्फैंट्री डे' के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम का आयोजन 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत किया गया।

अपने संबोधन में, रक्षा मंत्री ने देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले सशस्त्र बलों के वीर योद्धाओं और जम्मू एवं कश्मीर के लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनकी वीरता और बलिदान के कारण ही जम्मू एवं कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बना हुआ है और भविष्य में भी बना रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि कई बाधाओं के बावजूद, भारत हमारे सैनिकों के साहस और बलिदान के कारण बार-बार उभरा है और आज यह उनके द्वारा रखी गई मजबूत नींव पर खड़ा है। उन्होंने कहा, "सबसे बड़ी महिमा कभी भी गिरने में नहीं है, लेकिन हर बार गिरकर उठने में है। 1947 की घटना ऐसा ही एक उदाहरण है।

श्री राजनाथ सिंह ने प्रथम परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा की वीरता को याद किया, जिन्होंने घायल होने के बावजूद एक कंपनी का नेतृत्व किया और श्रीनगर हवाई क्षेत्र को दुश्मन के चंगुल से बचाया और इस प्रक्रिया में सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह और लेफ्टिनेंट कर्नल दीवान रंजीत राय जैसे अन्य वीरता पुरस्कार विजेताओं के साहस एवं वीरता को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मेजर सोमनाथ शर्मा और अन्य वीर योद्धा हमेशा प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे और राष्ट्र हमेशा उनके बलिदानों का ऋणी रहेगा। उन्होंने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक को भी याद किया, जिन्होंने युद्ध के दौरान एक पायलट के रूप में सैनिकों की आवाजाही में बहुमूल्य योगदान दिया था। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की, जिन्होंने दुश्मनों को पीछे हटने के लिए मजबूर करने और देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सशस्त्र बलों की मदद की। श्री राजनाथ सिंह ने 27 अक्तूबर 1947 के अभियान को देश की क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा के लिए बताया। उन्होंने कहा कि यह जम्मू एवं कश्मीर के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं की रक्षा करने का अभियान था।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद जम्मू एवं कश्मीर के लोग दशकों तक विकास और शांति से वंचित रहे, जब तक कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार शीर्ष पर नहीं आई और अनुच्छेद 370 को निरस्त नहीं कर दिया, जिससे केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में शांति और प्रगति का एक नए युग की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि पहले कुछ भारत विरोधी तत्व धर्म के नाम पर शांति और सद्भाव को बिगाड़ते थे, लेकिन अब सरकार और सशस्त्र बलों के लगातार प्रयासों के कारण जम्मू एवं कश्मीर में शांति और स्थिरता है।

श्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा, "आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता। वे मानवता के दुश्मन हैं। एक आदर्श समाज में मनुष्य के मौलिक अधिकारों का किसी भी प्रकार का हनन स्वीकार्य नहीं है। यह हमारी प्रतिबद्धता रही है। जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख में विकास और शांति के दरवाजे अब खुल गए हैं, दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों को भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन लोगों के बीच एकता है जो मिलकर आगे बढ़ रहे हैं।"

रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए कुछ क्षेत्र अभी भी उस प्रगति से वंचित हैं। पीओके में निर्दोष भारतीयों के खिलाफ अमानवीय घटनाओं के लिए पाकिस्तान पूरी तरह जिम्मेदार है। आने वाले समय में पाकिस्तान को अपने अत्याचारों का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। आज जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख का क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह तो अभी शुरुआत है। हमारा उद्देश्य गिलगित और बाल्टिस्तान जैसे शेष हिस्सों को पुनः प्राप्त करने के लिए 22 फरवरी 1994 को भारतीय संसद में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव को कार्यान्वित करना है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह 'शौर्य दिवस' राष्ट्र को वीर सैनिकों की वीरता को याद करने का अवसर देता है तथा लोगों को एकता और समर्पण के साथ देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, "हम एकता की भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमें भविष्य में हमारे विकास के रास्ते में आने वाली विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ मिलकर लड़ने का संकल्प लेना चाहिए।"

कार्यक्रम के दौरान, जम्मू एवं कश्मीर के वीर सैनिकों और लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए ऐतिहासिक कार्यक्रम की प्रतिकृति का आयोजन किया गया। रक्षा मंत्री ने नागरिकों के साथ, पाकिस्तान द्वारा 'स्टैंडस्टिल अग्रीमैंट' के उल्लंघन को कवर करते हुए इतिहास के पुन: प्रदर्शन को देखा। इस कार्यक्रम में पाकिस्तानी सेना को खदेड़ने के लिए 27 अक्टूबर 1947 को भारतीय सेना के आगमन को भी दर्शाया गया। भारतीय वायु सेना द्वारा एक शानदार एयरशो का आयोजन किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में देश भर से आए हुए युद्ध के वीर सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा, थलसेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे; उत्तरी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी; पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल एस प्रभाकरण; 15 कोर के

जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल एडीएस औजला और असैन्य तथा सैन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

एबीबी/डीएस